मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को बिड़ला ऑडिटोरियम (जयपुर) के भारतीय राव राजपूत समाज के प्रतिभा सम्मान समारोह में सम्मिलित हुये। इस समारोह में 500 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

'राजस्थान के आदिवासी क्षेत्रों में धर्म परिवर्तन हो रहा है'

राजस्थान के कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कि शिक्षा, रोजगार और चिकित्सा के नाम पर गरीब आदिवासियों को गुमराह करके धर्मांतरण करवाया जा रहा है

■ **कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी रविवार 14 जुलाई को डूंगरपुर दौरे पर रहे। वे डूंगरपुर जिले के प्रभारी मंत्री भी हैं। बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के लिए उन्होंने अधिकारियों की बैठक ली। बैठक के बाद वे मीडिया से रूबरू हुए। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि धर्मांतरण एक बहुत बड़ी चिंता का विषय है।**

जयपुर, 14 जुलाई। राजस्थान में धर्म परिवर्तन के मामले आए दिन सामने आ रहे हैं। पिछले दिनों जयपुर के पास चौमू कस्बे की रैगर बस्ती में हो रही प्रार्थना सभा में धर्म परिवर्तन के आरोप लगे थे। स्थानीय लोगों ने भारी हंगामा किया तो चौमू पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस ने प्रार्थना सभा में शामिल 50 से ज्यादा महिला पुरुषों को सभा स्थल से हटाया और प्रार्थना कराने आए व्यक्ति को वहां से भगाया। धर्म परिवर्तन के आरोप तो कई बार लगते हैं लेकिन क्या वास्तव में राजस्थान में धर्म परिवर्तन हो रहा है। भजनलाल सरकार के कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी का कहना है कि आदिवासी क्षेत्रों में धर्म परिवर्तन हो रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, रोजगार और चिकित्सा के नाम पर गरीब आदिवासियों को गुमराह करके धर्मांतरण करवाया जा रहा है। यह बड़ी चिंता का विषय है।

कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी रविवार 14 जुलाई को डूंगरपुर दौरे पर रहे। वे डूंगरपुर जिले के प्रभारी मंत्री भी हैं। बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के लिए उन्होंने अधिकारियों की बैठक ली। बैठक के बाद वे मीडिया से रूबरू हुए। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि धर्मांतरण एक बहुत बड़ी चिंता का विषय है। यह क्यों होता है, हमें यह भी सोचना पड़ेगा।

कैबिनेट मंत्री ने आगे कहा कि शिक्षा, रोजगार और चिकित्सा के नाम पर कुछ लोगों द्वारा गरीब आदिवासियों को गुमराह करके धर्मांतरण करवाया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि धर्म परिवर्तन करने के बाद वह व्यक्ति आदिवासी नहीं रहता है, ऐसे में वह एसटी के आरक्षण समेत दूसरे फायदे का भी हकदार नहीं होता है।

धर्मांतरण करने वाले व्यक्तियों को आदिवासियों के आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए। खराड़ी ने कहा कि आदिवासी समाज के ऐसे लोगों की लिस्टिंग बनाई जाएगी और उनसे आरक्षण का लाभ छीना जाएगा।

कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी द्वारा धर्मांतरण के मुद्दे पर बयान देने के बाद बांसवाड़ा डूंगरपुर के सांसद राजकुमार रोत ने भी बयान जारी किया। रोत ने मंत्री बाबूलाल खराड़ी के लिए कहा कि वे आदिवासियों के धर्म परिवर्तन पर राजनीति बंद करें। रोत ने कहा कि आदिवासियों का कोई धर्म परिवर्तन नहीं करा सकता है। आदिवासी सिर्फ आदिवासी हैं। ना तो वे हिंदू हैं और ना ही ईसाई।

ऐसे में आदिवासी समाज के लोगों को गुमराह नहीं करना चाहिए। अगर भाजपा सरकार डीलिस्टिंग करना चाहती है तो सबकी डीलिस्टिंग करे। आदिवासी समुदाय की खुद की अपनी धर्म व्यवस्था है। आदिवासी समुदाय के लोग मानव निर्मित धर्म को नहीं मानते हैं।

प्रतिभाओं का समाज और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान : भजनलाल

अखिल भारतीय राव राजपूत महासभा के प्रतिभा सम्मान एवं शपथ ग्रहण समारोह में 500 प्रतिभाओं का सम्मान किया गया

■ **मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सबको अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए अपने आस-पास के वंचित वर्ग को केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद करनी चाहिए।**

■ **शर्मा ने कहा कि राव राजपूत समाज को उनके गौरवशाली इतिहास, अमूल्य विरासत और भारतीय समाज में उनके योगदान के लिए जाना जाता है।**

जयपुर, 14 जुलाई (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित भारतीय राव राजपूत महासभा के प्रतिभा सम्मान समारोह में सम्मिलित हुये। समारोह में 500 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि होनहार प्रतिभाएं अपने परिवार के साथ ही समाज और देश के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। इनके सम्मान से अन्य लोगों को भी जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं के सर्वांगीण विकास, महिला उत्थान के साथ विकसित राजस्थान के निर्माण के लिए कृत संकल्पित है। इसी दिशा में राज्य के परिवर्तित बजट 2024-25 में पांच साल में 4 लाख सरकारियां नौकरियां देने एवं निजी क्षेत्रों में स्किल अपग्रेडेशन के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जाने की घोषणा की गई हैं। उन्होंने कहा कि खेलों में युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी तथा संभाग स्तर पर खेल महाविद्यालय खोले जाएंगे, जहां खेल प्रतिभाओं को तराशकर आगे बढ़ाया जाएगा।

शर्मा ने कहा कि राव राजपूत समाज को उनके गौरवशाली इतिहास, अमूल्य विरासत और भारतीय समाज में उनके योगदान के लिए जाना जाता है। संख्या में कम होने के बावजूद इस समाज के लोगों ने हमेशा राष्ट्रधर्म निभाया है और अपनी राष्ट्रवाद की भावना से अन्य समाज के लोगों को भी प्रेरित किया है।

उन्होंने कहा कि समाज की माताओं-बहनों ने अपने बच्चों को अच्छे संस्कार और शिक्षा देकर मेहनती और प्रतिभाशाली बनाया है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी राष्ट्र भावना और सांस्कृतिक विरासत पर गर्व अनुभव करें और राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार पं. दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के संकल्प को साकार करने की दिशा में प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। सरकार के इस ध्येय को पूरा करने के लिए नागरिकों का भी सहयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हम सबको अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए अपने आस-पास के वंचित वर्ग को केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद करनी चाहिए। 'सबका साथ-सबका विकास' की सोच के साथ ही विकसित राजस्थान और विकसित भारत की परिकल्पना साकार होगी।

कार्यक्रम में राव राजपूत समाज की लगभग 500 से अधिक प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। इस दौरान अखिल भारतीय राव राजपूत महासभा के राष्ट्रीय मुख्य संरक्षक लादूसिंह ठिकरिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रहलाद सिंह देवपुरा सहित राव राजपूत समाज के विभिन्न प्रतिनिधि समाज की होनहार प्रतिभाएं तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

पूर्व राष्ट्रपति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

द्वारा मारे जाने से पहले बंदूकधारी मंच पर गोलियां चला चुका था। एफबीआई इस बात की जांच करेगा कि ऐसा कैसे हुआ, लेकिन जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से गुप्त सेवा पर है। गुप्त सेवा का एक ही काम है - अमेरिका के वर्तमान और पूर्व राष्ट्रपतियों की रक्षा करना - और इसमें वे कल रात इस में बुरी तरह से विफल रहे। किसी सेवारत अमेरिकी राष्ट्रपति की हत्या के आखिरी प्रयास को 43 साल हो गए हैं। ऐसे ही एक हमले में तत्कालीन राष्ट्रपति को रोनाल्ड रीगन के फेफड़े में गोली लगी थी। हत्या के इस प्रयास में वह बाल-बाल बच गये। आज अमेरिकी राजनेता और जनता यह जानना चाहती है कि कैसे राइफल से लैस एक व्यक्ति रैली स्थल के पास मकान की छत पर पहुंच गया और पोडियम की ओर चार गोलियाँ भी दागीं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन समेत विश्वभर की महत्पूर्ण हस्तियों ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। बाइडन ने कहा है कि यह जानकर उन्हें बहुत अच्छा लगा कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प जानलेवा हमले में बाल-बाल बच गये और वह पूरी तरह स्वस्थ हैं। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के महासिचव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने हमले की कड़ी निंदा की है।

बी.एम.डब्ल्यू. पर 50 लाख रुपये का जुर्माना

■ **सीजेआई चंद्रचूड़ वाली बेंच ने लक्जरी कार निर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को 2009 में ग्राहक को बेची गई खराब कार के मामले में यह फैसला सुनाया।**

नई दिल्ली, 14 जुलाई। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डी.वाय चंद्रचूड़ की बेंच ने लग्जरी कार निर्माता कंपनी बी.एम.डब्ल्यू. इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को 2009 में ग्राहक के साथ की गई धोखाधड़ी के मामले में 50 लाख का जुर्माना देने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना हाई कोर्ट के आदेश को पलटकर यह फैसला सुनाया और कंपनी को आदेश दिया कि वे ग्राहक को 50 लाख रुपए जुर्माने के तौर पर दें।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने तेलंगाना उच्च न्यायालय के उस आदेश को खारिज किया, जिसमें हाई कोर्ट ने ऑटो कंपनी के खिलाफ अभियोजन को रद्द कर दिया था और कंपनी को खराब वाहन के स्थान पर शिकायतकर्ता को नया वाहन देने को कहा था। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने 10 जुलाई के अपने आदेश में कहा, "इस मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, हमारा विचार है कि निर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को विवादित सभी दावों के पूर्ण और अंतिम निपटान में 50 लाख रुपये की राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया जाना चाहिए। निर्माता को यह राशि 10 अगस्त 2024 को या उससे पहले इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर के जरिए शिकायतकर्ता को देनी होगी।" सुप्रीम कोर्ट के समक्ष यह 15 साल पुराना धोखाधड़ी से जुड़ा केस है। बी.एम.डब्ल्यू.इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और इसके प्रबंधन के कुछ सदस्यों के खिलाफ शिकायतकर्ता ने फ्रॉड करने का आरोप लगाया था। इसमें शिकायतकर्ता जीएमआर इंफ्रा प्रोजेक्ट्स कंपनी है। साल 2012 में हाई कोर्ट ने इस मामले में कंपनी को आदेश दिया था कि वह ग्राहक को नई कार उपलब्ध कराए। इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। 15 साल पुरानी लंबी कानूनी लड़ाई को समाप्त करते हुए चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड, जस्टिस जेबी परडियावाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने विवाद के पूर्ण और अंतिम निपटारे के रूप में मुआवजे के रूप में बी.एम.डब्ल्यू. द्वारा जीएमआर इंफ्रा प्रोजेक्ट्स को 50 लाख रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया। लाइव लॉ डॉट इन के मुताबिक, बी.एम.डब्ल्यू. ने खराब कार को नई कार से बदलने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन शिकायतकर्ता ने इससे इनकार किया और ब्याज सहित अपने पैसे वापस करने की मांग की।

बसपा अध्यक्ष आर्मस्ट्रांग की हत्या में शामिल आरोपी मुठभेड़ में मारा गया

■ **इस बीच विपक्षी अन्नाद्रमुक और भाजपा ने मुठभेड़ पर संदेह जताया है। हत्या के बाद पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने वाले थिरुवेंगदम ने पुलिस से भागने की कोशिश की थी।**

■ **बसपा अध्यक्ष मायावती ने मुठभेड़ के बाद दावा किया कि असली अपराधियों को गिरफ्तार नहीं किया गया है और उन्होंने मामले की केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच की मांग की।**

चेन्नई 14 जुलाई (वार्ता)। तमिलनाडु में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) इकाई के अध्यक्ष के आर्मस्ट्रांग की हत्या में शामिल मुख्य आरोपियों में से एक थिरुवेंगदम (33) रविवार सुबह उत्तरी चेन्नई में माधवरम क्षेत्र में पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया।

इस बीच विपक्षी अन्नाद्रमुक और भाजपा ने मुठभेड़ पर संदेह जताया है। हत्या के बाद पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने वाले थिरुवेंगदम ने पुलिस से भागने की कोशिश की थी। आर्मस्ट्रांग की गत पांच जुलाई की रात को उनके पेरम्बूर स्थित आवास के सामने छह सदस्यीय गिरोह ने हत्या कर दी थी। इस हत्या ने पूरे देश में राजनीतिक हलचल मचा दी थी। बसपा सुप्रीमो तथा उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती दिवंगत आर्मस्ट्रांग को श्रद्धांजलि देने के लिए चेन्नई आयी थीं। राज्य सरकार ने हत्या की तुरंत सीबी-सीआईडी जांच के आदेश दिए।

मायावती ने दावा किया कि असली अपराधियों को गिरफ्तार नहीं किया गया है और उन्होंने मामले की केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच की मांग की।

अन्नाद्रमुक और भाजपा सहित विपक्षी दलों ने भी सीबीआई जांच की मांग की और इस संबंध में राज्यपाल आर एन रवि से मुलाकात भी की। मामले की जांच कर रही सीबी-सीआईडी पुलिस ने अब तक हत्या के सिलसिले में 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। सीबी-सीआईडी द्वारा दायर याचिका पर मजिस्ट्रेट कोर्ट ने 11 जुलाई को सभी 11 आरोपियों को पूछताछ के लिए पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था।

गौरव गोगोई...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष बिरला को पत्र लिखकर उन्हें संसद के निचले सदन में कांग्रेस के उप नेता, मुख्य सचेतक और दो सचेतक नियुक्त किये जाने के बारे में जानकारी दी है।

उन्होंने बताया गोगोई लोकसभा में पार्टी के उप नेता होंगे, जबकि केरल से आठ बार के सांसद के. सुरेश पार्टी के मुख्य सचेतक होंगे।

उन्होंने बताया कि विरुधुनगर के सांसद मणिकम टैगोर और किशनगंज के सांसद मोहम्मद जावेद लोकसभा में पार्टी के सचेतक होंगे।

इससे पहले, पार्टी ने राहुल गांधी को लोकसभा में विपक्ष का नेता नियुक्त किया था। वेणुगोपाल ने कहा, "विपक्ष के नेता राहुल गांधी के मार्गदर्शन में कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन के दल लोकसभा में जनता के मुद्दों को जोरदार ढंग से उठाएंगे।"

'नैशनल रिक्रूटमैंट एजेंसी क्यों फेल हो गई है अब'

■ **मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि प्र.मंत्री मोदी चार साल पहले जिस एजेंसी को देश के करोड़ों युवाओं के लिए वरदान बता रहे थे,वह आज किस वजह से निष्क्रिय हुई है इस बारे में सरकार को स्पष्टीकरण देना चाहिए।**

नयी दिल्ली, 14 जुलाई (वार्ता) कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने नैशनल रिक्रूटमैंट एजेंसी (एन.आर.ए.) को लेकर मोदी सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए आज कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चार साल पहले जिस एजेंसी को देश के करोड़ों युवाओं के लिए वरदान बता रहे थे,वह आज किस वजह से निष्क्रिय हुई है इस बारे में सरकार को स्पष्टीकरण देना चाहिए।

खड़गे ने कहा "नरेंद्र मोदी जी, कल आप मुंबई में नौकरियाँ देने पर झूठ का मायाजाल बुन रहे थे। मैं आपको पुन: याद दिलाना चाहता हूँ कि (एनआरए) राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी की घोषणा करते हुए आपने क्या कहा था। अगस्त 2020 में आपने कहा था - एनआरए करोड़ों युवाओं के लिए वरदान साबित होगा। सामान्य पात्रता परीक्षा के माध्यम से,यह कई परीक्षाओं को समाप्त कर देगा और कीमती समय के साथ-साथ संसाधनों की भी बचत करेगा। इससे पारदर्शिता को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा।"

उन्होंने इसको लेकर श्री मोदी से सवाल करते हुए कहा "हमारे तीन सवाल है-

एन.आर.ए. ने पिछले चार वर्षों से एक भी परीक्षा क्यों नहीं कराई। क्यों एनआरए को 1,517.57 करोड़ रुपए का फंड मुहैया कराने के बावजूद चार वर्षों में अब तक केवल 58 करोड़ रुपए ही ख़र्चा किया गया है। एनआरए सरकारी नौकरियों की भर्ती के लिए संस्था बनी थी। क्या जानबूझकर इसको निष्क्रिय रखा गया ताकि एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस युवाओं से उनके आरक्षण का हक़ छीना जा सके।

एनटीए से धाँधली, पेपर लीक तथा घोटाला कराया गया और एनआरए से परीक्षा ही नहीं करवाई गई। शिक्षा प्रणाली को तहस-नहस करने का और युवाओं के भविष्य को तंग-तबाह करने का बीड़ा भाजपा-आरएसएस ने उठाया है।" उन्होंने कहा की उनकी तरफ से एनआरए का मुद्दा पहले भी उठाया गया था लेकिन मोदी सरकार इस मौनव्रत धारण कर के बैठी हुई है।

कश्मीर में घुसपैठ ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभी तक पहचान नहीं हो पाई है।

दरअसल, जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों की ओर से संरक्षण और समेकन की रणनीति अपनाई गई है। सुरक्षा एजेंसियां फिलहाल इसी तरह के छिपे हुए खतरे से जूझ रही हैं। यह खतरा उत्तरी कश्मीर और कठुआ जिले में हाल ही में घात लगाकर किए गए हमलों और मुठभेड़ों में स्पष्ट प्रतीत होता है। मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने घात लगाकर किए गए हमलों और आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ों का विश्लेषण किया है। इस आधार पर उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं, लेकिन जमीनी स्तर की मानव खुफिया जानकारी के अभाव में ऐसे आतंकवादियों के खिलाफ अभियान में बाधा आ रही है। तकनीकी खुफिया जानकारी पर पूरी तरह निर्भरता फलदायी नहीं रही है, क्योंकि आतंकवादी अधिकारियों को गुमराह करने के लिए ऑनलाइन गतिविधियों का इस्तेमाल करते हैं। अधिकारियों को लगता है कि विदेशी आतंकवादियों का मुकाबला करने के लिए विशेष रूप से जम्मू क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता है। अपने शांतिपूर्ण माहौल के लिए परिचित इस क्षेत्र, खासकर पुंछ, राजौरी, डोडा और रियासी जैसे सीमावर्ती जिलों में आतंकवादी घटनाओं में वृद्धि देखी गई है।

अमेरिका में 4 राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन, गार्फील्ड, मैककिन्ले ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रूप में न देखें, ये तो भगवान का एक काम था जिसका जरिया मैं बना हूं। गार्फील्ड अपनी मौत के खुद जिम्मेदार थे।

तारीख- 6 सितंबर 1901, जगह- बफेलो। अमेरिका के 25वें राष्ट्रपति विलियम मैककिन्ले का दूसरा कार्यकाल चल रहा था। उनसे पहले दो अमेरिकी राष्ट्रपतियों की मौत हो गई थी मगर वे अपने आसपास कड़ी सुरक्षा नहीं चाहते थे। दरअसल, मैककिन्ले को लोगों से मिलना-जुलना अच्छा लगता था।

राष्ट्रपति को बफेलो में एक इवेंट में जाना था। उनके सचिव को डर था कि उनकी हत्या हो सकती है, इसलिए उन्होंने उस इवेंट को दो बार कैंसिल करा दिया मगर दोनों बार राष्ट्रपति मैककिन्ले ने उसे बहाल करवा दिया। मैककिन्ले इवेंट में शामिल हुए।

इवेंट में शामिल होने के बाद मैककिन्ले लोगों से हाथ मिलाने लगे, तभी लियोन जोलगोज नाम का शख्स उनके करीब आया और उन पर दो गोलियां दाग दीं। एक गोली उनके शरीर को छूकर निकल गई। दूसरी गोली उनके पेट में जा घुसी। उन्हें फौरन अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टर वे गोली नहीं निकाल पाए जिससे पेट में घाव हो गया। 8 दिन बाद 14 सितम्बर को उनकी मौत हो गई।

राष्ट्रपति पर गोली चलाने वाले लियोन जोलगोज की नौकरी 1893 के इकोनॉमिक क्राइसिस में जा चुकी थी। उसे लगता था कि देश के इस हालात की वजह ये नेता हैं। वह सत्ता विरोधी हो गया था। वह मैककिन्ले को देश की इस हालत का जिम्मेदार मानने लगा।

जोलगोज को लगने लगा कि वह जब तक राष्ट्रपति की हत्या नहीं कर देता देश की हालत नहीं सुधर सकती। राष्ट्रपति की हत्या के मुकदमे में उसे दोषी पाया गया और 29 अक्टूबर, 1901 को बिजली की कुर्सी पर उसे मौत की सजा दी गई।

विलियम मैककिन्ले को गोली लगने के बाद घाव हो गया था जिसकी वजह से हमले के 8 दिन बाद उनकी मौत हो गई।

तारीख- 22 नवंबर 1963, जगह- डलास। अमेरिकी के तत्कालीन राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी एक बार फिर से राष्ट्रपति बनने की तैयारियों में जुटे हुए थे। उन्हें भरोसा था कि एक बार फिर से वो अमेरिका के राष्ट्रपति चुने जाएंगे। इस बीच उन्होंने टेक्सास का दौरा करने का फैसला किया। यहां पर उनकी डेमोक्रेटिक पार्टी के कुछ नेताओं के बीच आपसी विवाद था।

चुनाव से पहले कैनेडी हर हाल में इस विवाद को खत्म करना चाहते थे। वे 21 नवंबर को टेक्सास पहुंचे जहां उन्होंने कुछ कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। इसके अगले दिन वे डलास पहुंचे। उन्हें देखने के लिए सड़कों पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई थी। कैनेडी अपने एयरफोर्स वन विमान से निकलकर पत्नी जैकलीन के साथ वहां खड़ी एक ओपन लिमोजिन कार में बैठ गए।

रैली स्थल पर सड़क के दोनों तरफ जमा भीड़ उनके नारे लगा रही थी। राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी लोगों का उत्साह देखकर काफी खुश थे। इस दौरान भीड़ के बीच से दो गोलियां चलीं। एक गोली सीधे कैनेडी के सिर में और दूसरी उनकी गर्दन में लगी।

कुछ देर पहले तक मुस्कुराकर हाथ हिलाते हुए लोगों का अभिवादन स्वीकार करते कैनेडी, अब अपनी पत्नी ओनासिस के गोद में गिरे हुए थे। लिमोजिन कार में खून के छींटें और मांस के लोथड़े पड़े हुए थे। राष्ट्रपति की सुरक्षा में लगे जवान उनको लेकर पार्कलैंड मेमोरियल अस्पताल पहुंचे। लेकिन डॉक्टरों ने दोपहर 1 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इस हमले में कैनेडी की गाड़ी में सवार गवर्नर कोनली भी घायल हुए थे, लेकिन वो जल्द ही ठीक हो गए। कैनेडी पर गोली चलाने के आरोप में सेना से निकाले गए एक पूर्व सैनिक ओसवाल्ड को गिरफ्तार किया गया। हालांकि 2 दिन बाद कैनेडी के एक समर्थक ने उसकी हत्या कर दी। ये तस्वीर कैनेडी की हत्या से कुछ देर पहले की है। इसमें वह अपनी पत्नी के साथ हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी की हत्या को लेकर कई तरह की थ्योरी सामने आई, लेकिन असली हत्यारे पर आज भी रहस्य बरकरार है...

जब अमेरिकी एजेंसी राष्ट्रपति कैनेडी के हत्यारे का पता कर रही थी, तभी उसके हाथ एक तस्वीर लगी। इस तस्वीर में सिर से पांव तक ढंकी एक महिला नजर आ रही थी। जब कैनेडी की हत्या हुई और लोग भाग रहे थे, तब वह महिला आराम से वहां तस्वीरें खींच रही थी।

माना जाता रहा कि कैनेडी की हत्या उस महिला के कैमरे रूपी पिस्तौल से हुई, पर उस महिला की कभी पहचान नहीं हो पाई और न ही उस कैमरे या पिस्तौल का कुछ पता चला। बाद में एक महिला ने दावा किया कि वही उस समय वहां थी, पर वो साबित नहीं कर पाई।

इसके बाद से ही ये चर्चा होने लगी कि किसी एक ने कैनेडी की हत्या की है या उसके साथ वो महिला भी थी।

इस महिला को द बाबुश्का लेडी नाम दिया गया। रूसी भाषा में इसका अर्थ रहस्यमयी महिला होता है।

इस हत्या के वक्त अमेरिका और रूस के बीच कोल्ड वॉर चल रही थी। एक साल पहले ही रूस ने अमेरिका के पड़ोसी देश क्यूबा में न्यूक्लियर मिसाइलें तैनात कर दी थीं। दुनिया में तीसरा विश्वयुद्ध बस छिड़ने ही वाला था, लेकिन कैनेडी ने समझदारी दिखाते हुए रूस के साथ एक समझौता किया और इस संकट को दूर किया।

इससे अमेरिका ही नहीं रूस में भी कैनेडी की खूब तारीफ हुई। कहा जाने लगा कि इसी से चिढ़कर रूस के नेता ख्रुश्चेव ने खुफिया एजेंसी से मिलकर कैनेडी की हत्या करवा दी।

हालांकि इस आरोप को लेकर कुछ भी पुख्ता तौर पर सामने नहीं आ सका।

कैनेडी की हत्या का शक अमेरिका के कई माफिया सरगनाओं पर भी गया। कहा गया कि अमेरिकी माफियाओं ने खूब सारा पैसा क्यूबा में लगा रखा था। क्यूबा के साथ अमेरिका के संबंध में जो कड़वाहट आई, इससे उनको काफी नुकसान हुआ था।

इस वजह से अमेरिका और क्यूबा के माफियाओं ने मिलकर अमेरिकी राष्ट्रपति के हत्या की सुपारी दी थी। हालांकि इस मामले में भी अमेरिकी एजेंसियों को जांच में कुछ खास हाथ नहीं लगा।

प्र.मंत्री मोदी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मोदी के फॉलोअर्स की संख्या 10 करोड़ है।

इसी तरह मोदी के फॉलोअर्स की संख्या कई यूरोपीय देशों की जनसंख्या से भी कई गुणा अधिक है। मोदी के फॉलोअर्स की संख्या न्यूजीलैंड की आबादी का 18 गुणा, कनाड़ा की आबादी का ढाई गुणा, ब्रिटेन की आबादी का 1.4 गुणा, जर्मनी की आबादी का 1.2 गुणा, इटली की आबादी का ढाई गुणा और आस्ट्रेलिया की आबादी का 3.7 गुणा है।

इसी तरह मोदी के फॉलोअर्स की संख्या दुनिया के कई बड़े नेताओं अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडन, कनाड़ा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी तथा कई अन्य बड़े नेताओं से कहीं अधिक है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908